

## हाईकोर्ट का सख्त निर्देश

## रेवेन्यू बोर्ड के अध्यक्ष करें राजस्व अदालतों की कार्यप्रणाली की जांच

मद्रास हाईकोर्ट ने राजस्व न्यायालयों की मानवानी कार्यप्रणाली को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपिट ने रेवेन्यू बोर्ड के अध्यक्ष को राजस्व अदालतों की कार्यप्रणाली की जांच करने के निर्देश दिए।

हरिभूमि जबलपुर।

कोर्ट ने कहा कि राजस्व अधिकारियों की लापरवाही के चलते यहां के कामकाज में बहुत खामियां हैं, जिनकी जांच करना आवश्यक है। बोर्ड के अध्यक्ष को तीन माह के भीतर जांच रिपोर्ट हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष पेश करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने जांच रिपोर्ट के साथ स्ट्राफिंग पैटर्न और प्रकरणों की सुनवाई में व्यापक बदलाव

के लिए सुझाव भी पेश करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि रिपोर्ट में रीडर आदि की लंबी अवधि तक तैनाती के प्रभाव और हर तीन साल में उन्हें बदलने की व्यवस्था का भी उल्लेख करने के निर्देश दिए। एक मामले में अतिरिक्त आयुक्त के इस आदेश को जबलपुर निवासी रवि प्रसाद व अन्य ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। मामले पर सुनवाई के दौरान अतिरिक्त आयुक्त ने शपथ पत्र प्रस्तुत कर अपनी गलती स्वीकार की और अपना आदेश भी वापस ले लिया। उन्होंने हाईकोर्ट को आश्चर्य भी कराया कि वे अधीनस्थ अदालत का रिकॉर्ड बूला कर नए सिरे से मामले की सुनवाई करेंगे।



## किरायेदार को दुकान से बेदखल करने पर रोक

जबलपुर। व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-एक वरिष्ठ खंड श्रेया शर्मा की अदालत ने किरायेदार को दुकान से बेदखल करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने अस्थायी निषेधाज्ञा का आदेश पारित करते हुए निर्देश दिया कि प्रकरण के अंतिम निराकरण तक आवेदिका को विधि विरुद्ध तरीके से दुकान से निकाला न जाए। आवेदिका सदर निवासी नेहा सहगल की ओर से अधिवक्ता अशोक जायसवाल, रजनीश जायसवाल व कपिल रमानी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि सदर की गली में स्थित दुकान में आवेदिका लंबे समय से किरायेदार है। दुकान मालिक दुकान खाली कराने आई थीं। अवैध तरीके से दुकान का सामान बाहर फेंकने की नाकाम कोशिश की गई। इस गुंडागर्दी की शिकायत कैट थाने में कर दी गई। लेकिन कार्रवाई नदारद रही। इसीलिए कब्जा संरक्षण के लिए सिविल सूट दायर किया गया है।

## ये है मामला

दरअसल, रवि प्रसाद, राधा बाई और रंजीत काछी की पत्रिका संपत्ति का तहसीलदार द्वारा उन्हें जानकारी दिए बिना बंटवारा कर दिया था। इस पर आवेदकों ने एसडीएम कोर्ट में अपील पेश की थी। एसडीएम कोर्ट ने आवेदकों के पक्ष में अंतरिम आदेश दिया। इस अंतरिम आदेश के खिलाफ मुरारी काछी व अन्य ने अतिरिक्त कमिश्नर अमर बहादुर के समक्ष 17 फरवरी 2025 को पुनरीक्षण याचिका प्रस्तुत की। अतिरिक्त आयुक्त ने यह मामला 6 मार्च को सुनवाई के लिए रखा था। इसके बावजूद दूसरे ही दिन यानी 18 फरवरी को ही रवि प्रसाद आदि को नोटिस दिए बिना और सुने और सुने बगैर ही आदेश पारित कर दिया।

## कमजोर वर्ग के छात्रों को शासन से शिक्षा ग्रहण करने में सहयोग देना अनूचित नहीं निजी मेडिकल कॉलेज में लागू मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना संवैधानिक रूप से सही

हरिभूमि जबलपुर।

मद्रास हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में निजी मेडिकल कॉलेज में लागू मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना को संवैधानिक करार दिया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैंत व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने कहा कि इस योजना के तहत समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को यदि मुफ्त में शासन द्वारा शिक्षा दिलाई जाती है तो उसे असंवैधानिक या अनूचित नहीं ठहराया जा सकता है। हालांकि, हाईकोर्ट ने ऐसे छात्रों की फीस भुगतान के लिए कुछ अहम दिशा निर्देश जारी किए। बेंच ने कहा कि नीट उत्तीर्ण एलआईजी परिवार के छात्रों के प्रवेश लेने के तीन माह के भीतर शासन उनका पूरी वार्षिक फीस व शुल्क का संस्थान को भुगतान कर दे। यह राशि संस्थान के खाते में नहीं वरन छात्र व संस्थान के संयुक्त खाते में जमा होगी। ये एकाउंट छात्र के आधार, पैन आदि से

लिंक होगा ताकि एक छात्र के नाम पर दो बार फीस जमा नहीं हो पाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि छात्र किसी सत्र में अनुत्तीर्ण होता है तो शासन उसकी छात्रवृत्ति रोक नहीं सकते। इसके लिए निजी संस्थानों को यह जिम्मेदारी होगी कि वह योजना के तहत प्रवेश लेने वाले छात्रों की पूरी जानकारी सरकार को भेजे, ताकि समय पर उनकी फीस जमा हो सके।

प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों की ओर से याचिका दायर कर राज्य सरकार की उक्त योजना को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से सिद्धार्थ राधेलाल गुप्ता व आर्यन उर्मलिया ने पक्ष रखा। याचिका में उक्त योजना को निजी कॉलेजों पर बाध्य करने को चुनौती दी गई थी।

दलील दी गई कि कमजोर वर्ग के छात्रों का राज्य शासन द्वारा निजी संस्थानों में प्रवेश तो करा दिया जाता है, लेकिन उनका शिक्षण शुल्क समय पर नहीं दिया जाता। कई बार तो संस्थानों को कई वर्ष तक यह भुगतान नहीं किया जाता है।



## हाईकोर्ट का एक अहम फैसला

विधायक धनचोरिया के नेतृत्व में गोडलपुर थाने का धेराव

## अपराध बेलगाम, पुलिस चालान में मस्त

जबलपुर। बिगड़ती कानून व्यवस्था, वाहन चैकिंग के नाम पर अवैध वसूली और बेलगाम यातायात को लेकर पूर्व विधानसभा के विधायक लखन धनचोरिया के नेतृत्व में धेराव दोपहर गोडलपुर थाने का घेराव किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा, नेता प्रतिपक्ष अमरीष मिश्रा, दिनेश यादव, अभिषेक यादव, रामदास यादव, रीतेश अग्रवाल, ताहिर अली, पार्श्व शफरीक हीरा, कलीम खान, गुलाम हुसैन, याकूब अंसारी, मुन्नु पंडा, जितेंद्र ठाकुर, कांग्रेस नेता हामिद मंसूरी, आजम खान, आबिद मंसूरी, निहाल मंसूरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित थे। श्री धनचोरिया ने यहां कहा, गोडलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस की



निष्क्रियता के चलते अपराध बेलगाम हो रहे हैं। पुलिस अपनी नाकामी छिपाने के लिये गलियों कुलियों में खड़े होकर आमजन का चालान काट रही है। थाने अंतर्गत आने वाले किसी चौराहे में पुलिस मौजूद नहीं रहती। पूरा पुलिस बल वसूली में लगा है। यातायात बेलगाम हो चुका है। आज के यह प्रदर्शन पुलिस प्रशासन के लिये चेतावनी है की अपनी कार्यप्रणाली ठीक करें।

## ईसाई धर्मगुरु अमदात मामले में रांझी थाने में हंगामा

हरिभूमि जबलपुर।

गत 31 मार्च को रांझी थाना परिसर में ईसाई धर्मगुरुओं के साथ हुई अभद्रता के मामले में पुलिस ने करीब आधा दर्जन विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल कार्यकर्ताओं पर शुक्रवार की रात एफआईआर दर्ज कर ली है। बताया जाता है कि पुलिस ने 31 मार्च वाले घटनाक्रम में कुछ महिला कार्यकर्ता पर भी एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर के विरोध शनिवार को फिर हिन्दू वादी संगठनों के कार्यकर्ता

## हिन्दूवादी नेताओं पर एफआईआर के खिलाफ प्रदर्शन

थाने पहुंचे। कुछ देर तो थाना कैम्पस में ही कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे, लेकिन जब बात बनती नजर नहीं आयी तो वे रांझी मुख्य मार्ग पर उतर आए। उन्होंने ने रास्ते बंद करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च को मंडला से आए कुछ लोगों को लेकर विश्व हिन्दू परिषद कार्यकर्ता रांझी थाना पहुंचे थे। उनका आवाप था कि उक्त ग्रामीणों को धर्मांतरण के लिए जबलपुर लाया गया था। इसी घटनाक्रम के कुछ घंटों बाद ईसाई समाज के धर्मगुरु रांझी थाना पहुंचे थे। जिन्हें थाने में देख हिन्दू वादी

संगठन के कार्यकर्ता उनका विरोध करने लगे। अगले दिन मतलब 1 अप्रैल को यह बात सामने आई कि थाने पहुंचे धर्म गुरुओं के साथ अभद्रता की गई थी। इस बात की शिकायत लेकर ईसाई समुदाय के लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने ने सबूत के तौर पर सोशल मीडिया में वायरल वीडियो भी पेश किए थे। उन्होंने ने मांग की थी कि रांझी थाना कैम्पस में मारपीट करने वालों पर एफआईआर दर्ज की जाए। जिसके बाद शुक्रवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली।

## अभावपि ने किया जाँय स्कूल का घेराव, मेबन का फूँका पुतला

जबलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभावपि) जबलपुर महानगर ने आज विजयनगर स्थित जाँय स्कूल का घेराव किया और स्कूल के संचालक अखिलेश मेबन का पुतला जलाया। यह प्रदर्शन अखिलेश मेबन द्वारा अपने



व्यारल होते ही समाज में भारी आक्रोश फैल गया और इसे लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। अभावपि के कार्यकर्ताओं ने जाँय स्कूल के बाहर जमकर नारेबाजी की और अखिलेश मेबन का पुतला जलाया। उनका कहना था कि यह कृत्य हमारे आराध्य भगवान श्री राम और सनातन धर्म का घोर अपमान है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विद्यार्थी परिषद ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि जाँय स्कूल की मान्यता

व्यारल होते ही समाज में भारी आक्रोश फैल गया और इसे लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। अभावपि के कार्यकर्ताओं ने जाँय स्कूल के बाहर जमकर नारेबाजी की और अखिलेश मेबन का पुतला जलाया। उनका कहना था कि यह कृत्य हमारे आराध्य भगवान श्री राम और सनातन धर्म का घोर अपमान है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विद्यार्थी परिषद ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि जाँय स्कूल की मान्यता

व्यारल होते ही समाज में भारी आक्रोश फैल गया और इसे लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। अभावपि के कार्यकर्ताओं ने जाँय स्कूल के बाहर जमकर नारेबाजी की और अखिलेश मेबन का पुतला जलाया। उनका कहना था कि यह कृत्य हमारे आराध्य भगवान श्री राम और सनातन धर्म का घोर अपमान है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विद्यार्थी परिषद ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि जाँय स्कूल की मान्यता

जल्द से जल्द रद्द की जाए और इस तरह के अपमानजनक बयान देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के दौरान प्रांत मंत्री माखन शर्मा, महानगर मंत्री ऐश्वर सोनकर, प्रांत सह मंत्री आर्यन पुंज, छात्रा प्रमुख अंचल मिश्रा, दिव्यांक पचौरी, तनीश पांडेय और अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

## जोनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य बने आशीष शुक्ला

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के डीआरएम कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरजा ने की। इस अवसर पर बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से बहुमत के आधार पर जोनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में आशीष शुक्ला का चयन किया। चुनाव के पूर्व आशीष शुक्ला द्वारा बैठक में सिंहेरा के निकट स्थित छपरा



रेलवे स्टेशन का मामला उठाया जिसको लेकर पूर्व में संसद द्वारा घोषणा भी की जा चुकी थी। इसके विषय में रेल अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि उक्त स्टेशन को लेकर मंडल में सहमति बन चुकी है और इसका प्रस्ताव दिल्ली भेजा गया है लेकिन दिल्ली से अभी स्वीकृति नहीं आई है जैसे ही स्वीकृति आएगी स्टेशन का काम शुरू हो जाएगा। आशीष शुक्ला की नियुक्ति पर योगेन्द्र दुबे, राजीव बड़रिया, सौरभ बड़रिया, सुरेश गौतम, अटल उपाध्याय, श्याम सुंदर माहेश्वरी, सुरेश अग्रवाल, राकेश सुहाने, राजेंद्र तिवारी, राजेश गोयल, सुरेश पाणे, अशोक साहू, आसाराम मिश्रा, अशोक मिश्रा, संजय गुप्ता, कृष्णकांत दुबे, मयूर जोवनपुरा, शुभम मिश्रा, संजीव गुप्ता, अरविंद खरे, दीपक माहेश्वरी, देवेश मिश्रा, संजय रंगवाणी, दया सिंह, संजय चतुर्वेदी, अजय शुक्ला, शैलेंद्र गुप्ता, अंबरीश तिवारी, अर्पित शुक्ला, आशीष तिवारी, प्रवीण अग्रवाल, अभिषेक शुक्ला, राजू शर्मा, आशीष चौबे, नितिन गौतम, रवि चौबे, सुरेश वर्मा, अनिल पांडे, राजकुमार भंडार, पप्पू जैन, सतीश सोधिया, संदीप अग्रवाल, राजुल कर्-सोलिया, पर्वत जसवाल, लोकेश व्यास, अखिलेश शुक्ला, सुकेश नेवरिया, अनूप तिवारी, प्रेमनारायण पांडे, विनीता अम्बिहोत्री, किशोर गौतम, संजय सिंह आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

## पंद्रह दिवसीय झील महोत्सव का हुआ मत्स्य शुभारंभ

हरिभूमि जबलपुर।

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को शाम 6 नमद के विश्व प्रसिद्ध बरगी बांध तट पर पंद्रह दिवसीय झील महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। बरगी बांध के तट पर मंडला जिला के ग्राम देवरी बकई में 5 से 20 अप्रैल तक आयोजित इस भव्य कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सांसद फगन सिंह कुलस्ते, विधायक नीरज सिंह ठाकुर, संतोष बरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष मंडला संजय कुशराम, जिला पंचायत अध्यक्ष जबलपुर आशा मुकेश गोटिया, अखिलेश जैन, रिकुंज विज, कलेक्टर दीपक सक्सेना, सीईओ जिला पंचायत मंडला व जबलपुर के साथ अन्य संबंधित अधिकारी व बड़ी तादाद में आमजन मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ नमदा पूजन से किया गया।



मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पहले भी एडवेंचर गेम के नाम से अलग-अलग स्थानों पर ऐसे कार्यक्रम होते थे। लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में नमदा तट की सुंदर जगह पर झील महोत्सव का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि

पर्यटन सिर्फ मनोरंजन के लिए ही नहीं होता बल्कि इससे संस्कृतियों का आदान-प्रदान होता है। वहीं इससे रोजगार के अवसर मिलते हैं। पर्यटन जीवन में विविधता लाता है। प्राचीन काल से ही पर्यटन का बहुत महत्व रहा है।

पर्यटन के विकास पर रोजगार के अवसर सुनिश्चित किया जा सकता है। देवरी बकई ग्राम जो कि विधानसभा पनागर, बरगी और मंडला की सीमा में स्थित है, जहां की सुंदरता बहुत ही आकर्षक है। ऐसे सुंदर स्थल पर आयोजित इस झील महोत्सव के मार्केटिंग करने से यह और भी सफल होगा। उन्होंने कहा कि स्कूल कॉलेज व कोचिंग संस्थान में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी ऐसे स्थलों का भ्रमण कराना चाहिए। मंत्री श्री सिंह ने भारतीय नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का यह प्रयास है कि प्रदेश के विकास के लिए सभी जगह बेहतर संसाधन उपलब्ध हों।

# हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

अब हर माह आप बनेंगे भाग्यशाली विजेता

## महाबम्पर ड्रा में शामिल होने का सुनहरा अवसर

प्रथम पुरस्कार

1 तोला, 5 नग सोने का हार

द्वितीय पुरस्कार

1 स्कूटी (EV)

तृतीय पुरस्कार

2 नग रेफ्रिजरेटर

चतुर्थ पुरस्कार

3 नग LED TV

सातवना पुरस्कार

1100

नियम व शर्तें : 1. हर माह जन्मदिन उत्सव फॉर्मेट प्रकाशित किया जायेगा। योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फॉर्मेट को भरकर हरिभूमि कार्यालय, व्यूरो कार्यालय या अपने एजेंट/एजेंसी के पास जमा कर सकते हैं। 2. हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं, जन्मदिन के फॉर्मेट एक माह पहले भेजाये जायेगा, उनके जन्मदिन पर उन्हें सुनिश्चित उपहार दिया जायेगा। 3. प्राप्त जन्मदिन के फॉर्मेट को एकत्रित कर महाबम्पर ड्रा में शामिल किया जायेगा जिसका ड्रा नवम्बर 2025 में किया जायेगा। 4. जन्मदिन फॉर्मेट के साथ आचार कार्ड या जन्म प्रमाण पत्र की छायाप्रति के साथ 3 माह उत्सवार का मासिक विल लगाना अनिवार्य होगा। 5. जन्मदिन फॉर्मेट की फोटो कापी मान्य नहीं होगी। 6. राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। इस योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होंगी। हरिभूमि निर्वाचक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा। हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। 7. विषय में दस्तावेज उपहार भिन्न हो सकते हैं।



### अष्टमी पर घर-घर माता महागौरी को चढ़ाई गई अटवाई

हरिभूमि जबलपुर।

वासंतेय नवरात्र पर्व की आज नवमी है। शनिवार को अष्टमी पर सभी देवी, देवालियों में पूजा अर्चना की गई। माता महागौरी को अटवाई का भोग लगाया गया। कन्याभोजन और भंडारे के आयोजन किए गए। आज भी यह सिलसिला नवमी पूजन पर जारी रहेगा। नवमें दिन माँ भगवती के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की जाएगी। शहर के प्रसिद्ध प्राचीन मठ बड़ी खेरमाई, बूढ़ी खेरमाई, छोटी देवन राइट टाउन,

# नवमी पर आज होगा जवारों का विसर्जन

बगलामुखी सिद्धपीठ सिविक सेंटर, श्री वृहत महाकाली कालीधाम गढ़ाफाटक, महाकाली मंदिर सदर, काली मंदिर गोपालबाग, मकरवाहिनी मंदिर पानदरीबा में लगातार नौ दिनों तक अनुष्ठान चले। जवारों की स्थापना की गई। आज नवमी में हवन पूजन के बाद जवारों की विसर्जन यात्रा भी निकाली जाएगी। पिछले नौ दिनों से शहर पूरी तरह भक्तिभाव में डूबा रहा। देवी के नौ स्वरूपों की उपासना आराधना की गई। वासंतेय नवरात्र की महाअष्टमी पर घर-घर आठों भरी गईं। देवी को भोग अर्पित किया गया।



माँ शारदा आशीष दरबार में हवन

दैनिक सोसायटी रामपुर स्थित माँ शारदा आशीष दरबार में मंगलवार महाअष्टमी को हवन पूजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। पिछले 9 दिनों से यहां धार्मिक अनुष्ठान चल रहे थे। इस अवसर पर मुकेश कुशवाहा, उपाध्यक्ष- मिलन मुखर्जी, सचिव- जयंत, क्षीरसागर, संजय बारहा, पंडित-सुबोध मिश्रा, सरवजीत सिंह तगगड, संतोष द्विवेदी, मनोप शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

### नगर में अनेक स्थानों पर आदिशक्ति की प्रतिमा स्थापित

## माता के जयकारों से गूंजे मठ, मंदिर, देवालय



सिहोरा। आदिशक्ति मां जगत जननी की साधना-उपासना का महापर्व चैत्र नवरात्र की तिथि के हिसाब से आज नवमी है आज भी घर घर में कन्या भोजन के कार्यक्रम एवं मंदिरों में भंडारे के आयोजन किए जायेंगे। नगर के देवी मठों बूढ़ी माई, मां ज्वालामुखी, दुर्गा मंदिर, कंकाली मंदिर, पर्वत वासनी खेर मां, माता देवालय खडरा आदि में सुबह से लेकर शाम तक भक्तों का तांता लगा रहता है। सभी देवी मंदिरों में घंट जवारे की भी

स्थापना के साथ नौ दिनों के लिए अखंड ज्योति की भी स्थापना की गई है। समस्त देवालियों में जहां सुबह से ही माता को जल अर्पित करने भक्तों की लम्बी लाइन लग जाती है तो वहीं दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों से सारा वातावरण धर्ममय बना हुआ है। घरों में भी श्रद्धालुओं द्वारा नौ दिनों तक उपावास रखकर शेरवाली की आराधना की जा रही है। सिहोरा में इस बार अनेक स्थानों पर शारदेय नवरात्र की तरह देवी जी की प्रतिमा स्थापित की गई है।

### सम्राट अशोक की जयंती पर कार्यक्रम आज

जबलपुर। अखण्ड भारत के निर्माता प्रियदर्शी सम्राट अशोक महान की जयंती 6 अप्रैल को शाम 4 बजे से अशोका बुद्ध विहार सभा भवन एवं शिक्षा समिति सिद्धनाथ रामपुर जबलपुर में आयोजित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश सिंह कैबिनेट मंत्री होंगे, अध्यक्षता वृंदावन वर्मा करेंगे। आयोजन में उपस्थिति की अपील वृंदावन वर्मा संस्थापक सम्राट अशोक क्रांति सेना जबलपुर, दयाशंकर कुशवाहा, रामभजन कुशवाहा नीलू, सिद्धराम यादव, अमरसिंह, प्रफुल्ल कुशवाहा, सोहन कुशवाहा, शैलेन्द्र कुशवाहा, रामकरण कुशवाहा आदि ने की है।

### साईं जन्मोत्सव पर शोभायात्रा आज

जबलपुर। श्री गौरीशंकर साईंनाथ मंदिर रसल चौक द्वारा साईं जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा का आयोजन 06 अप्रैल को शाम 06 बजे से किया गया है। रसल चौक मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा प्रारंभ होकर तीनपत्ती चौराहा, मालवीय चौक, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, अंधेरदेव, करमचंद चौक का भ्रमण करती मंदिर प्रांगण पहुंचकर संपन्न होगी। 7 अप्रैल को दोपहर 2 बजे से विशाल भंडारा एवं शाम 7 बजे महाआरती होगी। समस्त कार्यक्रम में उपस्थिति का आग्रह अभिलाष पांडे विधायक, शेखर मुदलियार, दुर्गेश शाह, विष्णु नायडू, कृष्णाकांत अग्रवाल आदि ने समस्त भक्तजनों से किया है।

### महाकौशल कॉलेज के 3 विद्यार्थियों का चयन अग्निवीर सेना में

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सलेंस, शासकीय महाकौशल स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत अग्निवीर सेना में चयनित हुये महाविद्यालय के 03 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। प्रो. अरुण शुक्ल, समाजिक नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना ने बताया कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सलेंस, शासकीय महाकौशल स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर के विद्यार्थी रोशन सिंह राजपूत



बी.काम तृतीय वर्ष, जीजस शिवहरे बी.ए. तृतीय वर्ष, निखिल राय बी.ए. तृतीय वर्ष का चयन अग्निवीर सेना में जी.डी. पोस्ट पर हुआ है। इनकी ट्रेनिंग हैदराबाद, अहमदनगर में होगी। आज इन विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रो. शुक्ल ने कहा कि लगन एवं ईच्छा से लक्ष्य हासिल करने पर विद्यार्थियों को मिलन मिलती है। अग्निवीर भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। अन्य विद्यार्थी इनसे प्रेरणा प्राप्त करें एवं सेना के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनायें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं सार्थियों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. शैलेन्द्र भवदिया, डॉ. तरुणोद्व साकेत उपस्थित रहे।



श्री महेश प्रसाद पुरोहित-सीओडी कॉलोनी सुहागी निवासी श्री महेश प्रसाद पुरोहित (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।  
श्री मोहन बेन- आचार्य विनोबा भावे वार्ड ताड़खाना के पास निवासी श्री मोहन बेन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।  
श्री सचिन दुबे- लटकारी का पड़ाव निवाडांग निवासी श्री किशोर दुबे के पुत्र श्री सचिन दुबे (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।  
श्री महेश राजपूत- परेल लाइन जीसीएफ एस्टेट निवासी

श्री महेश राजपूत (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।  
श्री छेदी लाल यादव- आईडियल हिल्स गौरीघाट रोड निवासी श्री छेदी लाल यादव (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।  
श्री शिव प्रसाद विश्वकर्मा- हनुमान होटल सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री शिव प्रसाद विश्वकर्मा (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।  
श्रीमती कमला बाई- हाईकोर्ट सोसायटी छापरा रामपुर निवासी श्रीमती कमला बाई (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।  
श्री राजाराम रजक- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री राजाराम रजक (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।  
श्रीमती मालती माला राय- आयुर्वेद कॉलेज के पीछे गौरीघाट

### मागवत कथा का हुआ समापन, भंडारा आज

जबलपुर। वहीकल फेवरेट मंदिर मस्जिद के पास चल रही श्रीमद् मागवत कथा का शनिवार को समापन हुआ। श्रीमती गार्गी रामकुमार यादव, सुनील यादव, बंका शुक्ला की यजमानी में आयोजित सप्त दिवसीय मागवत कथा की रसधारा व्यास पीठ पर विरजमान पं. निरिंत देव महाराज (वृंदावनधाम) प्रवाहित कर रहे थे। आज रविवार को हवन पूजन, कथाभोजन एवं भंडारे का आयोजन दोपहर 12 बजे से आयोजित है। कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थिति की अपील वरंसे सेवा कल्याण समिति एवं व्यापारी संघ दुर्गा उत्सव समिति के सभी सदस्यों ने की है।

निवासी श्री घनश्याम सिंह राय की धर्मपत्नी श्रीमती मालती माला राय (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।  
श्री सुभाष नामदेव- राधाकृष्णन वार्ड सिद्धबाबा रोड निवासी श्री सुभाष नामदेव (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।  
श्रीमती कलावती बारी- करमचंद चौक के निकट निवासी श्री रमेशचंद्र बारी की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती बारी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।  
श्रीमती सीता कोल- कृष्णा कॉलोनी गौराबाजार कजरवारा रोड निवासी श्री विजय दशरथ कोल की धर्मपत्नी श्रीमती सीता

### बिन मांगे सब दे दे वही सच्चा मित्र : रामचंद्र महाराज



मझौली। शनि मंदिर महाकाली समिति मझौली के तत्वावधान में चल रही मागवत कथा ज्ञान यज्ञ के अंतिम दिन कथा वाचक रामचंद्र महाराज के द्वारा भगवान के विवाह कथा का वर्णन किया तथा सुदामा चरित्र की कथा सुनाई। जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि सच्चा मित्र से समय आने पर मांगने की जरूरत नहीं पड़ती बिना मांगे ही अपना सबकुछ दे दे वही सच्चा मित्र है। मनुष्य का जिवन मिला है तो अच्छे कर्म करना चाहिए और भगवान के भजन करते अपना जीवन यापन करना चाहिए।

## मातृ व नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने लांच किया प्रोजेक्ट 'अधुना'



जबलपुर। देश में गायनेकोलॉजिस्ट्स को सर्वोच्च संस्था फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एण्ड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज ऑफ इंडिया ने प्रोजेक्ट अधुना लांच किया है। इस पहल का उद्देश्य भारत के चार राज्यों उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, उड़ीसा में निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रसव के दौरान देखभाल को सुदृढ़ बनाना है। मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल के लिए साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण के साथ चिकित्सा प्रथाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट अधुना इन राज्यों के 29 चुनिंद जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देगा। प्रोजेक्ट के विस्तृत दृष्टिकोण पर सोसायटी के इमर्जेंट पासट प्रेजिडेंट एवं अधुना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. जयदीप टांक ने कहा कि प्रोजेक्ट उस

प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो व्यावहारिक नवाचारों और साक्ष्य आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने के साथ ही उच्च गुणवत्त वाली मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को हर क्षेत्र में समान रूप से उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है। जबलपुर, जो प्रोजेक्ट अधुना के तहत 29 जिलों में से एक है, ने 05 अप्रैल 2025 को अपना पहला सीपीडी सत्र आयोजित किया। यह कार्यक्रम सोसायटी की प्रेजिडेंट डॉ. सुनीता तांडुलवरकर और अधुना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. जयदीप टांक के नेतृत्व में आयोजित किया गया। सत्र का आयोजन जबलपुर ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनेकोलॉजिकल सोसायटी के सहयोग से किया गया, जिसमें डॉ. अर्चना श्रीवास्तव और डॉ. ऋचा धीरावानी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

कोल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।  
श्री अंकित सेन- पीपी कॉलोनी महिद्या लाइन निवासी श्री राम सुमरन सेन के पुत्र श्री अंकित सेन (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।  
श्रीमती हिल्या बाई ठाकुर- मांडवा टेंडर 1 बृजमोहन नगर रामपुर निवासी श्री सुक्कु ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती हिल्या बाई ठाकुर (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।  
श्रीमती नीरज अग्रवाल- रतन नगर निवासी श्री ब्रजेश अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती नीरज अग्रवाल (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।



### राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सलेंस शासकीय महाकौशल महाविद्यालय जबलपुर द्वारा महिला/ पुरुष इकाई ग्राम अमझर खमरिया में 6 फरवरी से 12 फरवरी तक किया जायेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने दोनों इकाई के स्वयंसेवकों व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिवचंद्र वाल्के, छात्र संघ इकाई डॉ. कविता शाक्य छात्रा इकाई को हरी झंडी दिखाकर शिविर स्थल के लिए रवाना किया। शिविर पहुंचकर स्वयंसेवकों ने परिसर की साफ सफाई कर रैली, पोस्टर बनाया, तथ्यघात ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी गतिविधियों का शुभारंभ किया। शुभारंभ में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत सरपंच कवित्री कुशराम उपस्थित रहें।

### सनातन धर्म महासभा के नेतृत्व में होगा आयोजन

हरिभूमि जबलपुर।

वासंतेय नवरात्र पर्व के विश्राम दिवस पर आज रामनवमी के दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। वहीं आदिशक्ति की उपासना के नौ दिन सिद्धिदात्री देवी की आराधना व उपासना के उपरांत श्रद्धालु अपना व्रत खोलेंगे और तदोपरांत जवारों की शोभायात्रा निकाली जायेगी। श्री सनातन धर्म महासभा द्वारा भगवान श्रीराम नरसिंहपीठाधीश्वर स्वामी नरसिंहदास महाराज के सान्निध्य में शाम 4 बजे सनातन चौक (पुराना बस स्टैण्ड) से श्रीराम शोभायात्रा निकाली जायेगी। श्री सनातन धर्म महासभा के ने बताया कि भगवान श्रीराम जन्मोत्सव पर शहर में परम्परा अनुसार 06 अप्रैल रविवार की शाम 4 बजे से एक भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। शोभायात्रा में रामधनु प्रस्तुत करती विभिन्न मंडलियां शामिल होंगी। वहीं शहर के तमाम साधु संत भी इस शोभायात्रा में शामिल होंगे। जीवंत झांकियां, बैण्ड दल और अश्वारोही दल भी शोभायात्रा में चलेंगे। शोभायात्रा में श्रीराम मंदिर मदनमहल की झांकियां भी शामिल होंगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष गुलशन माखीजा ने बताया कि मंदिर में प्रातः मानस गायन एवं धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दोपहर 12 बजे प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जायेगा। विशाल

## श्रीराम जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा आज



भण्डारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद, भोजन आदि का वितरण किया जायेगा। तदोपरांत दोपहर 3 बजे मंदिर से शोभायात्रा प्रारंभ होगी, जो बस स्टैण्ड में जाकर मुख्य शोभायात्रा में शामिल होगी।

### शोभायात्रा का मार्ग

शोभायात्रा मुख्य बस स्टैण्ड से निकलकर तीनपत्ती चौक, जहांगीराबाद, मालवीय चौक, सुपर मार्केट, गंजीपुरा, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, कमानिया गेट, सराफा बाजार, कोतवाली थाना होते हुये गोविंदगंज रामलीला मैदान मिलौनीगंज में संपन्न होगी, जहां पर धर्म समा के रूप में तबदील हो जायेगी।

### हनुमान चालीसा का होगा पाठ

शोभायात्रा में भगवान श्रीराम की जीवंत झांकियों का प्रदर्शन किया जायेगा। अयोध्या में बने श्रीराम मंदिर की मध्य झांकी और हनुमानजी की जीवन झांकी आकर्षण का केंद्र होगी।

### उपस्थिति की अपील

शोभायात्रा में उपस्थिति की अपील सनातन धर्म महासभा के महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरचंद्र महाराज, स्वामी नरसिंह दास महाराज, स्वामी राधेदेव, श्याम साहनी, चंद्र कुमार मजठ, बाबू विश्वमोहन, गुरुशान मखीजा, अनिल तिवारी, कैलाश गुप्ता, वासुदेव शर्मा, डॉ. पवन स्थापक, डॉ. सुधीर अग्रवाल ने विद्येश भाषकर, डा. एच पी तिवारी, एम.आई.सी सदस्य राजनी कुशाह साहू, संदीप जैन गुड्डा, डॉ.संदीप मिश्रा, मनोज नरंग, लक्की माटिया, पप्पन मिश्रा, मनोज यादव, अंशुल मलिक, श्रीमती आमा साहू दीपक साहू, आदि ने की है।

### भगवान झुलेलालजी का छठी महोत्सव आयोजित

जबलपुर। चैतौद महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में भगवान झुलेलाल जी का छठी महोत्सव कार्यक्रम, बिहारपुर चक्रवर्ती (सिन्धु अग्र आश्रम) के परम पूज्य साईं लाल साईं जी के आध्यात्मिक स्वर्ण के साथ भारतीय धरती मंडल झरका नगर के तत्व धाम में संपन्न हुआ। इनसे पूर्ण महत् और आनंद दास जी के सान्निध्य में समीति सदस्यों द्वारा साईं जी का स्वागत किया गया, एवं विशाल भंडारे का भी आयोजन किया, इस अवसर पर अध्यक्ष गणेश जेटवानी, रजन बेरानी, दुर्गाचंद देवाजीअरस मंगलानी, अशोक ठाकुर, झरका दास लालधानी, लक्ष्मण विद्याजी, हरीश वनजी, सोनू मखीजा, हरिश सक्सेना, संजय तेकरानी,सुरेश रामधंदानी, किशोर शिखारी, जितेंद्र लालचामी, रवि तोरतानी, अशोक ठाकुर, संजय भवानी, विक्रम नरेश लालचंदानी, आदि उपस्थित रहे।

### सिद्ध पीठ दुर्गा मंदिर सुहागी में पूजन करने उमड़ें भक्त

जबलपुर। सुहागी इंद्रा नगर स्थित सिद्ध पीठ दुर्गा मंदिर संस्कारधानी का ऐसा मंदिर है जहां जाने से हर भक्त की मनोकामना पूरी हो जाती है। यह प्राचीन मंदिर लगभग 80 वर्ष पुराना है। और यह शहरवासियों के साथ दूर-दूर गांव व जिलों से भी आने वाले श्रद्धालुओं का आस्था का केंद्र है। इस मंदिर में अन्य देवी देवताओं की मूर्तियां भी विराजी है जिनमें नर्मदेश्वर महादेव, दक्षिण मुखी हनुमान जी, काल भैरव बाबा जी, शीतला माता एवं न्याय के देवता शनि देव भगवान भी है। चैत्र नवरात्र के पहले दिन से ही इस प्रसिद्ध सिद्ध पीठ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है और यह सिलसिला 9 दिन तक जारी रहता है। माता दुर्गा जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। सिद्ध पीठ दुर्गा मंदिर सुहागी में मंदिर में बोर गए जवारे का विसर्जन सोमवार को किया जाएगा।



### श्री राजपूत करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष का हुआ नगर आगमन



जबलपुर। श्री राजपूत करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर सहेंद्र सिंह रिंकू का 04 अप्रैल 2025 को जबलपुर आगमन हुआ, शहर के हृदय स्थल महाराणा प्रताप परिसर में श्री राजपूत करणी सेना के समस्त पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया गया तथा आगामी 12 अप्रैल आगार जाने के विषय में विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में ठाकुर शैलेंद्र सिंह, ठाकुर श्री राजपूत करणी सेना सभांग अध्यक्ष विशाल सिंह सोलंकी, जिला अध्यक्ष संजु राजपूत, दिलीप सिंह, रश्मित सिंह, ईश्वर सिंह, संदीप सिंह, सुजीत सिंह, इंद्रपालसिंह परिहार, अमित सिंह, रोहित, महेंद्र सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, शिवम सिंह परिहार और दुर्गेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

### आम आदमी पार्टी की बैठक संपन्न

जबलपुर। आम आदमी पार्टी द्वारा आगामी 20 अप्रैल को जबलपुर में संभागीय कार्यक्रम आयोजित किया जाना है, जिसकी मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल व जबलपुर जौन के अंतर्गत आने वाले जिलों के मुख्य प्रभारी सदस्य होंगे। उक्त कार्यक्रम को संपन्न कराने हेतु विचार विमर्श के लिए एक मीटिंग का आयोजन पार्टी कार्यालय सिसिल लाइन में किया गया, जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश वर्मा, संगठन मंत्री रामकिशोर शिवहरे, जिला अध्यक्ष रीतेश सिंह, जिला सचिव आदेश दुबे, मीडिया कोऑर्डिनेटर प्रशांत चौकसे, आदि उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME  
I, BISHNU MAYA ALE (existing Name of spouse as per NOK) it legally wedded spouse Wife of JC 580879A Ex SUB MAJ (HONY CAP) Narayan Singh, presently residing at Plot No. 263, Phase-I, Chaitanya City MANDLA RAOD Tilhari, JABALPUR (MP)-482020, I have changed of my name from BISHNU MAYA ALE (name as per my Husband army service records) to BISHNU MAYA ALE (name as per my ADHAR CARD & PAN CARD) vide Affidavit dated in 04/04/2025 format) before SUBHASH HISH CHATTERJEE Public notary, JABALPUR M.P.  
CORRECT NAME  
BISHNU MAYA  
INCORRECT NAME  
BISHNU MAYA ALE

हरिभूमि निजी/शोक/उदावन, पगड़ी रस, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

किबस साइज: 8x8 से.मी.	लेक.कॉस्ट: 300/-
किबस साइज: 8x8 से.मी.	रंजीन 400/-
किबस साइज: 10x8 से.मी.	रंजीन 1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग-0761-4048310, 2757175



बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहाँ हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

## श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक



### आवरण कथा

#### लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है। गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

### कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का काम था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरक्षण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग



किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

### पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन तकनीक से प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मयूर (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावर) में भी विशेष संरक्षण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरक्षण के जरिए सूर्य



कोणार्क का सूर्य मंदिर

एक अन्य विकल्प श्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

### और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिफ्रेक्टिव के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लंबेलांबा यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिफ्रेक्टिव जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। \*

### रामनवमी विशेष



की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

### अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरक्षण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

### ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकों समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरेर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

### होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प श्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

### और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिफ्रेक्टिव के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लंबेलांबा यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिफ्रेक्टिव जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। \*

# राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के जगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

### महात्त्व

#### शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुरदास, मलुकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

### शिव भी जपते

#### राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र गौड़ जगत भरेसु। काशी मुकुरी हेतु उपदेसु ॥

गङ्गा जगु जगु गङ्गा ॥ प्रथम पुत्रित नाम प्रभु ॥

अर्थात् जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपयोग काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि श्रेष्ठि खरी नियत से खाय,  
अर्थात्, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

### स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण

के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूँ समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूँ। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने-अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

### पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए बाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

### दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का इका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूजनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामपे, अलास्का-रामीज, बेलजियम-इवोला रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामभुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिम्बावे-रामकांडा, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया-रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, राम, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रामन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस-रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्क, स्पेन-रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगवेट, राम्सागिन, राम टेक्सासाइड, फ्रांस-रामपट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर \*

### अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक



बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रणमति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छत्रुलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन वाहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर वाहक को 500 बार रोज के हिस्सा से 1.25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावट्टर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आज्ञाजन सदस्य हैं। भगवान राम की महिमा को समर्पित राम नाम बैंक का अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।



अरे मियां, धिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये धिबली क्या बला है!

## कार्टून इंसान की कार्टून छवि

चुनी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है। फोन उठाते ही चुनी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।' चुनी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे। क्षणिक चुपकी के बाद चुनी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है। 'ऐसी तो कोई बात नहीं चुनी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसहफियत में आपके कॉल मिस कर बैठें, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?' चुनी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?' 'अरे नहीं चुनी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।' 'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुनी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।



हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।' 'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से धिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुनी बाबू ने हमें धिक्काया। हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या धिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है। चुनी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि धिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?' 'जनाब इसका पूरा नाम धिबली स्टालिड पोर्ट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुनी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटरली खोली। 'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुनी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे। 'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुनी बाबू के स्वर में उत्साह था। हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?' 'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।' 'हे भगवान! तो क्या अब चुनी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बोबी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।' 'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की। 'हमें क्या हुआ है?' चुनी बाबू चौंक कर बोले। हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप धिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।' चुनी बाबू हमारी नादानों पर खुल कर हंसे हुए बोले, 'अरे मियां, धिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुनी बाबू ने फोन काट दिया। हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हाफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने को हद तक बजाने के लिए। बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। \*

### रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक हरिभूमि के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि आपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिक्वोट फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।